WORLD खबर EXPRESS

WORLD
खबर एक्सप्रेस

शुक्रवार 14 अप्रैल, 2023 | अंक - 349

www.worldkhabarexpress.media
www.worldkhabarexpress.com

डेयरी फार्मिंग पर प्रारंभ हुआ तीन दिवसीय प्रशिक्षण

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय में डेयरी फार्मिंग एवं डेरी का विकास विषय पर तीन दिवसीय (13 से 15 अप्रैल 2023) कृषकों हेतु प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि निदेशक प्रसार डॉ आरके यादव ने प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा दी गई नवीनतम तकनीकों से आप अपनी खेती, पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन के उद्यम को बढ़ावा देकर आत्मनिर्भर बने। उन्होंने कहा की डेरी क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए काफी अवसर हैं। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने नाडेप कंपोस्ट एवं केंचुआ खाद बनाने की वैज्ञानिक विधि एवं उपयोगिता के बारे में विस्तार से किसानों को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मृदा में जीवांश कार्बन की बढ़ोतरी होती है। तथा फसल उत्पाद गुणवत्ता युक्त होता है। सह निदेशक प्रसार डॉ पीके राठी ने कृषि में जैविक उर्वरकों का प्रयोग एवं खेती में लाभ विषय पर बताया। वैज्ञानिक डॉक्टर सोहन लाल वर्मा ने पशुओं के लिए संतुलित आहार एवं हरे चारे की उपलब्धता विषय पर जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर एस बी पाल ने किया तथा उन्होंने विस्तार से प्रशिक्षण की रूपरेखा पर भी चर्चा की। डेरी फार्मिंग के ये कृषक सहकारी डेयरी प्रशिक्षण संस्थान वाराणसी से आए हुए हैं। सभी अतिथियों का स्वागत डॉक्टर अनिल कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर सहकारी डेयरी प्रशिक्षण संस्थान वाराणसी के इंचार्ज नीरज कुमार किसान गुरचरण रामशरण अंकित यादव आनंद सहित लगभग 44 किसानों ने प्रतिभाग किया।

रहस्य संदेश

RNI. NO. UPHIN/2007/20715

102, लखनऊ एंव एटा से प्रकाशित, शनिवार, 15 अप्रैल, 2023 पृष्ठ: 8

अलीगढ/कानपुर आस–पास

डेयरी फार्मिंग पर प्रारंभ हुआ तीन दिवसीय प्रशिक्षण

(अनवर अशरफ)

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के प्रसार निदेशालय में डेयरी फार्मिंग एवं डेरी का विकासष विषय पर तीन दिवसीय (13 से 15 अप्रैल2023) कृषकों हेतु प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि निदेशक प्रसार डॉ आरके यादव ने प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा दी गई नवीनतम तकनीकों से आप अपनी खेती,पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन के उद्यम को बढ़ावा देकर आत्मनिर्भर बने। उन्होंने कहा की डेरी क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए काफी अवसर हैं। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने नाडेप कंपोस्ट एवं केंचुआ खाद बनाने की वैज्ञानिक विधि एवं उपयोगिता के बारे में विस्तार से किसानों को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मृदा में जीवांश कार्बन की बढ़ोतरी होती है। तथा फसल उत्पाद गुणवत्ता युक्त होता है। सह निदेशक प्रसार डॉ पीके राठी ने कृषि में जैविक उर्वरकों का प्रयोग एवं खेती में लाभ विषय पर बताया।वैज्ञानिक डॉक्टर सोहन लाल वर्मा ने पशुओं के लिए संतुलित आहार एवं हरे चारे की उपलब्धता विषय पर जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर एस बी पाल ने किया तथा उन्होंने विस्तार से प्रशिक्षण की रूपरेखा पर भी चर्चा की। डेरी फार्मिंग के ये कृषक सहकारी डेयरी प्रशिक्षण संस्थान वाराणसी से आए हुए हैं। सभी अतिथियों का स्वागत डॉक्टर अनिल कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर सहकारी डेयरी प्रशिक्षण संस्थान वाराणसी के इंचार्ज नीरज कुमार किसान गुरचरण रामशरण अंकित यादव आनंद सहित लगभग 44 किसानों ने प्रतिभाग किया।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 14 अंक : 280 कानपुर, शनिवार 15 अप्रैल 2023 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

jivaswaroop.in

गेंदबाजों की चोट को लेकर चिंतित फ्लेमिंग 10

डेयरी फार्मिंग पर प्रारंभ हुआ तीन दिवसीय प्रशिक्षण

कानपुर । सीएसए के प्रसार निदेशालय में डेयरी फार्मिंग एवं डेरी का विकास卐 विषय पर तीन दिवसीय (13 से 15 अप्रैल कृषकों हेतु प्रशिक्षण का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि निदेशक प्रसार डॉ

आरके यादव ने प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि वैज्ञानिकों द्वारा दी गई नवीनतम तकनीकों से आप अपनी खेती,पशुपालन एवं दुग्ध उत्पादन के उद्यम को बढ़ावा देकर आत्मनिर्भर बने। उन्होंने कहा की डेरी क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए काफी अवसर हैं। इस अवसर पर मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने नाडेप कंपोस्ट एवं केंचुआ खाद बनाने की वैज्ञानिक विधि एवं उपयोगिता के बारे में विस्तार से किसानों को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मृदा में जीवांश कार्बन की बढ़ोतरी होती है। तथा फसल उत्पाद गुणवत्ता युक्त होता है। सह निदेशक प्रसार डॉ पीके राठी ने कृषि में जैविक उर्वरकों का प्रयोग एवं खेती में लाभ विषय पर बताया।वैज्ञानिक डॉक्टर सोहन लाल वर्मा ने पशुओं के लिए संतुलित आहार एवं हरे चारे की उपलब्धता विषय पर जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर एस बी पाल ने किया तथा उन्होंने विस्तार से प्रशिक्षण की रूपरेखा पर भी चर्चा की। डेरी फार्मिंग के ये कृषक सहकारी डेयरी प्रशिक्षण संस्थान वाराणसी से आए हुए हैं। सभी अतिथियों का स्वागत डॉक्टर अनिल कुमार सिंह ने किया। इस अवसर पर सहकारी डेयरी प्रशिक्षण संस्थान वाराणसी के इंचार्ज नीरज कुमार किसान गुरचरण रामशरण अंकित यादव आनंद सहित लगभग 44 किसानों ने प्रतिभाग किया।